चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	29.5.22	2	1-4

हकृवि में विकसित मूंग की उन्नत किस्मों की मांग अन्य प्रदेशों में बढ़ी

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से विकसित मूंग की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए चामुंडा एग्रो प्राइवेट लिमिटेड दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए चामुंडा एग्रो प्राइवेट लिमिटेड दिल्ली के साथ समझौता (एमओयू) किया गया हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की तीन किस्में एमएच 1142, एमएच 1762 तथा एमएच 1772 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इन किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें।

एमओयू के दौरान उपस्थित कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज एवं अन्य • जागरण

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. रमेश यादव ने बताया किं विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने तथा चामुंडा एग्रो प्राइवेट लिमिटेड दिल्ली की तरफ से विकास तोमर, मार्केटिंग मैनेजर ने हस्ताक्षर किए व उनके साथ प्रवीण कुमार सहायक उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इससे किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डा. पवन कुमार, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डा. केडी शर्मा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजेश गेरा, मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य, डा. रेणू मुंजाल, डा. योगेश जिंदल, डा. अनुराग व डा. जितेन्द्र भाटिया, पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डा. गजराज दहिया, डा. रविका व डा. उमा देवी व डा. अनुज राणा उपस्थित रहे।

मूंग की एमएच 1142 किस्म 10 राज्यों के लिए अनुमोदित : डा. राजबीर

अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने बताया कि खरीफ मौसम में बोई जाने वाली मूंग की एमएच 1142 किस्म को भारत के उत्तर-पश्चिम व उत्तर-पूर्व के मैदानी इलाकों में काश्त के लिए अनुमोदित किया गया है। इन क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पश्चिमी बंगाल व असम राज्य शामिल हैं। इस किस्म की फलियां काले रंग की होती हैं व बीज मध्यम आकार के हरे व चमकीले होते हैं। इसका पौधा कम फैलावदार, सीधा एवं सीमित बढ़वार वाला है, जिससे इसकी कटाई आसान हो जाती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	29.5.25	3	6

दैनिक भास्कर

एमओयू किया

हकृवि में मिलेगा मूंग की बेहतर किस्म का बीज

हिसार | हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की किस्म एमएच 1142, एमएच 1762 तथा एमएच 1772 किसानों को मार्केट में मिलेगा। विश्वविद्यालय ने चामुण्डा एग्रो प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की 3 किस्में एमएच 1142, एमएच 1762 तथा एमएच 1772 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि वे अच्छा पैदावार ले सकें।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि खरीफ मौसम में बोई जाने वाली मूंग की एमएच 1142 किस्म को भारत के उत्तर-पश्चिम व उत्तर-पूर्व के मैदानी इलाकों में काश्त के लिए अनुमोदित किया गया है। इन क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पश्चिमी बंगाल व असम राज्य शामिल हैं। इस किस्म की फलियां काले रंग की होती हैं व बीज मध्यम आकार के हरे व चमकीले होते हैं। इसका पौधा कम फैलावदार, सीधा एवं सीमित बढ़वार वाला है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	29-5-25	5	1-3

हकृवि द्वारा विकसित मूंग की उन्नत किस्मों की मांग हरियाणा सहित अन्य प्रदेशों में बढ़ती जा रही है: प्रो. काम्बोज

हकृवि का मूंग की किस्मों को बढ़ावा देने के लिए प्राइवेट कम्पनी के साथ हुआ समझौता

एमओयू के दौरान उपस्थित कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज एवं अन्य

हिसार, 28 मई (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए चामुण्डा एग्रो प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए चामुण्डा एग्रो प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली के साथ समझौता (एमओयू) किया गया हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की तीन किस्में एमएच 1142, एमएच 1762 तथा एमएच 1772 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इन किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा चामुण्डा एग्रो प्राईवेट लिमिटेड, दिल्ली की तरफ से विकास तोमर, मार्केटिंग मनेजर ने हस्ताक्षर किए व उनके साथ प्रवीण कुमार, सहायक उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इससे किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. रेणू मुंजाल, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. अनुराग व डॉ. जितेन्द्र भाटिया, पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया, डॉ. रविका व डॉ. उमा देवी व डॉ. अनुज राणा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	29.5.25	5	4-6

हकृवि की विकसित कृषि संकल्प अभियान में रहेगी अहम भागीदारी : प्रो. काम्बोज

हकृवि के वैज्ञानिक प्रदेशभर के 128 खंडों, 2584 गांवों के किसानों से सीधा संवाद करेंगे

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए।

हिसार, 28 मई (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की। विडियों कांफ्रेंसिंग के माध्यम से 21 कृषि विज्ञान केन्द्रों के समन्वयकों व विस्तार शिक्षा निदेशालय के अधिकारियों ने व्यक्तिगत रूप से इस बैठक में शिरकत की।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा इस अभियान को सफल बनाने हेतु की जा रही तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा गठित वैज्ञानिक टीमों, रूट मैप के तहत दौरा किए जाने वाले ब्लाक एवं गांवों की संख्या, रणनीति, प्रचार-प्रसार सामग्री, अन्य विभागों के साथ तालमेल आदि की जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होनें इस अभियान के दौरान वितरित की जाने वाली प्रचार सामग्री में वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक तथ्यों की जानकारी देने पर जोर दिया। इस अभियान में ड्रोन दीदी, प्रगतिशील किसानों, पदमश्री एवं अन्य ख्याति प्राप्त पुरस्कारों से सम्मानित कृषि विशेषज्ञों एवं किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

अभियान के दौरान पड़ने वाले प्रभाव का वैज्ञानिक अध्ययन करने के लिए उन्होंने एक सर्वेक्षण करने का भी आदेश दिया जिसके तहत किसानों की वर्तमान सामाजिक, आर्थिक स्थिति, कृषि पद्धतियों इत्यादि का अध्ययन किया जाएगा। प्रो. काम्बोज ने बताया इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत 29 मई से 12 जून 2025 तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, शिवराज सिंह चौहान के मार्गदर्शन में देश के 700 जिलों में 2000 वैज्ञानिकों का दल देशभर में 1.5 करोड़ से अधिक किसानों के साथ सीधा संवाद करेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	29.5.25	5	5-5

हरियाणा सहित अन्य राज्यों में बढ़ रही है हकृवि द्वारा विकसित मूंग की डिमांड

एमओयू के दौरान उपस्थित कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज एवं अन्य।

हिसार, 28 मई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए चामुण्डा एग्रो प्राईवेट लिमिटेड, दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए समझौता किया गया हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की तीन किस्में एमएच 1142, एमएच 1762 तथा एमएच 1772 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इन किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा कंपनी की तरफ से विकास तोमर, मार्केटिंग मनेजर ने हस्ताक्षर किए व उनके साथ प्रवीण कुमार, सहायक उपस्थित रहे। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि खरीफ मौसम में बोई जाने वाली मूंग की एमएच 1142 किस्म को भारत के उत्तर-पश्चिम व उत्तर-पूर्व के मैदानी इलाकों में काश्त के लिए अनुमोदित किया गया है।

इन क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पश्चिमी बंगाल व असम राज्य शामिल हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओ.एस.डी. डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ पवन कुमार, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ राजेश गेरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	24.5.25	11	2-6

हकृवि का मूंग की किस्मों को बढ़ावा देने के लिए प्राइवेट कम्पनी के साथ समझौता

एचएयू में विकसित मूंग की उन्नत किस्मों की देशभर में बढ़ रही मांग : प्रो. काम्बोज

विवि द्वारा विकसित मूंग की तीन किस्में एमएच 1142, एमएच 1762 तथा एमएच 1772 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। एमओयू के दौरान उपस्थित कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए चामुंडा एग्रो प्राईवेट लिमिटेड, दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए चामुंडा एग्रो प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली के साथ समझौता (एमओयू) किया गया हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की तीन किस्में एमएच 1142, एमएच 1762 तथा एमएच 1772 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इन किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा चामुंडा एग्रो प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली की तरफ से विकास तोमर, मार्केटिंग मनेजर ने हस्ताक्षर किए व उनके साथ प्रवीण कुमार, सहायक उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इससे किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि खरीफ मौसम में बोई जाने वाली मूंग की एमएच 1142 किस्म को भारत के उत्तर-पश्चिम व उत्तर-पूर्व के मैदानी इलाकों में काश्त के लिए अनुमोदित किया गया है। इन क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पश्चिमी बंगाल व असम राज्य शामिल हैं। इस किस्म की फलियां काले रंग की होती हैं व बीज मध्यम आकार के हरे व चमकीले होते हैं। इसका पौधा कम फैलावदार, सीधा एवं सीमित बढ़वार वाला है, जिससे इसकी कटाई आसान हो जाती है। यह किस्म विभिन्न राज्यों में 63 से 70 दिनों में पक कर तैयार हो जाती है और इसकी औसत पैदावार भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार 12 क्विंटल से 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक आंकी गई है। दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश यादव ने बताया कि एमएच 1762 एवं एमएच 1772 किस्में पीला मोजैक एवं अन्य रोगों की प्रतिरोधी है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ राजेश गेरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. रेणू मुंजाल, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. अनुराग व डॉ. जितेन्द्र भाटिया, पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया, डॉ. रविका व डॉ. उमा देवी व डॉ. अनुज राणा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	29-5-25	2	7-8

एचएयू का मूंग की 3 किस्मों के लिए चामुंडा कंपनी से समझौता

एमओयू के दौरान उपस्थित कुलपति प्रो. बीआर कांबोज व अन्य। स्रोत : संस्थान

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए चामुंडा एग्रो प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की तीन किस्में एमएच 1142, एमएच 1762 और एमएच 1772 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इन किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा चामुंडा एग्रो प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली की तरफ से विकास तोमर, मार्केटिंग मैनेजर ने हस्ताक्षर किए व उनके साथ प्रवीण कुमार, सहायक उपस्थित रहे।

उन्होंने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इससे किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	29.5.2025	--	--

हकृवि का मूंग की किस्मों को बढ़ावा देने पर हुआ समझौता

एमओयू के दौरान उपस्थित कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज एवं अन्य।

सवेरा न्यूज/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 28 मई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए चामुण्डा एग्रो प्राईवेट लिमिटेड, दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए चामुण्डा एग्रो प्राईवेट लिमिटेड, दिल्ली के साथ समझौता (एमओयू) किया गया है। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की तीन किस्में एमएच 1142, एमएच 1762 तथा एमएच 1772 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इन किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा चामुण्डा एग्रो प्राईवेट लिमिटेड, दिल्ली की तरफ से विकास तोमर, मार्केटिंग मनेजर ने हस्ताक्षर किए व उनके साथ प्रवीण कुमार, सहायक उपस्थित रहे। उन्होनें बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इससे किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि खरीफ मौसम में बोई जाने वाली मूंग की एमएच 1142 किस्म को भारत के उत्तर-पश्चिम व उत्तर-पूर्व के मैदानी इलाकों में काश्त के लिए अनुमोदित किया गया है। इन क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पश्चिमी बंगाल व असम राज्य शामिल हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ पवन कुमार, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ राजेश गेरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. रेणू मुंजाल, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ अनुराग व डॉ. जितेन्द्र भाटिया, पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया, डॉ. रविका व डॉ. उमा देवी व डॉ अनुज राणा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	28.5.2025	--	--

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्राएं समाज के उत्थान में अग्रणी भूमिका निभा रही : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हकृवि के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 28 मई : हकृवि के विद्यार्थियों ने शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करके विश्वविद्यालय का नाम देश में ही बल्कि विदेशों में रोशन किया है। हमारे विद्यार्थी किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं हैं बल्कि उन्होंने समाज सेवा, अनुशासन, अनुसंधान, नेतृत्व क्षमता और खेल भावना सहित विभिन्न क्षेत्रों में भी अपना परचम लहराया है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने आईसी सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के 22वें वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित करते हुए कहें। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों को अपना भविष्य उज्जवल बनाने के लिए लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत करनी चाहिए। किसी भी क्षेत्र की प्रगति में शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन में रहकर निरन्तर मेहनत करने और नैतिक मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का भी आह्वान किया। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों और शिक्षकों की कड़ी मेहनत की बदौलत लगातार नए-नए आयाम स्थापित कर रहा है। विश्वविद्यालय को शिखर पर ले जाने के लिए हम सभी को एकजुट होकर और अधिक मेहनत के साथ कार्य करने की जरूरत है। देश को विकसित राष्ट्र बनाने में शिक्षा के प्रचार-प्रसार की अहम् भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा कि सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्राएं बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ उठा कर समाज के उत्थान में अग्राणी भूमिका निभा रही हैं। एनसीसी और एनएसएस के विद्यार्थियों ने रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, आपदा प्रबंधन तथा मतदान जागरूकता जैसी गतिविधियों में भाग लेकर समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया है, वहीं खेलकूद के क्षेत्र में भी बेहतर खेल का प्रदर्शन करके खिलाड़ियों ने विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। कुलपति ने कार्यक्रम में वर्ष 2021-2024 की कॉलेज रिपोर्ट का भी विमोचन किया। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने समारोह में सभी का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की शैक्षणिक सत्र 2021-22, 2022-23 तथा 2023-24 में स्नातक व स्नातकोत्तर एवं एनसीसी, एनएसएस तथा खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। छात्राओं ने हरियाणवी, राजस्थानी तथा देशभक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष, डॉ. किरण सिंह ने सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन साक्षी मलिक, किरण, पूजा व रिंकी ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समारोह में इन विद्यार्थियों को किया गया पुरस्कृत

समारोह में बीएससी (चार वर्ष) की मेधावी, श्वेता त्रिपाठी, वैशाली, रागिनी कुमारी, ममता कुमारी, किस्मत, मुस्कान सरावगी, आस्था, दीक्षा बामल, नैन्सी, गीता रानी, अंजलि, रिंकी, किरण, उपासना, खुशी वर्मा, अव्वल, आकांक्षा कुमारी व खुशी जबकि बीएससी (छः वर्ष) की शर्मिला, व सुदीक्षा को पुरस्कृत किया गया। इसी प्रकार एमएससी में यशवी, ज्योति, मानसी, मीनू, भावना, जागृति भंडारी व आरती पुरस्कार प्रदान किया गया। पीएच.डी में अन्नु, शिखा भुक्कल, एकता मलकानी, सोनिया, मधु प्रिया, सिमरन रानी, वर्तिका श्रीवास्तव, सीमा चौहान व रवीना को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। वहीं खेलो, एनसीसी, एनएसएस व सांस्कृतिक व अन्य गतिविधियों के लिए शीतल, रितिका, प्रीत गिल, पूजा, योगिता, निशा, नेहा, दिव्या शर्मा, वर्षा राव, भावना, सुनैना, नेहा, साक्षी, रिया, विधि व खुशबू को भी पुरस्कृत किया गया।